भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 484
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कृषि उड़ान योजना का कार्यान्वयन

484. श्री विजय बघेल:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री विजय कुमार दूबे:
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा:
श्री बसवराज बोम्मई:
श्री गणेश सिंह:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री बिभु प्रसाद तराई:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री प्रवीण पटेल:
श्री नव चरण माझी:
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कृषि उड़ान योजना के कार्यान्वयन और उसके प्रभाव का आकलन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) अगस्त, 2020 में उक्त योजना की शुरूआत के बाद से इसके अंतर्गत कितने कृषि उत्पादों का परिवहन किया गया है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत हवाई परिवहन की सुविधा के परिणामस्वरूप किसानों को कितना आर्थिक लाभ होने का अनुमान है;

(घ) महाराष्ट्र में उन विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है जहां से हवाई परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र से कितने कृषि उत्पादों का परिवहन किया गया; और

(ङ) अन्य क्षेत्रों की तुलना में विशेष रूप से उत्तरपूर्वी, पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में हवाई अड्डों की संख्या कितनी है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) कृषि उड़ान एक सतत योजना है और हितधारकों के परामर्श से समय-समय पर इसकी समीक्षा की जाती है। कृषि उड़ान योजना में शुरुआत में 06 महीने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 53 हवाईअड्डों को शामिल किया गया था। योजना के मूल्यांकन के बाद, पाँच और हवाईअड्डों को शामिल किया गया है, जिससे कृषि उड़ान के तहत 58 हवाईअड्डे शामिल हो गए हैं।

(ख) और (ग) इस योजना का उद्देश्य विशेष रूप से देश के उत्तर-पूर्व, पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों से आने वाली सभी कृषि उपजों के लिए निर्बाध, लागत प्रभावी, समयबद्ध, हवाई परिवहन और संबंधित लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करना है, ताकि उनकी मूल्य वसूली में सुधार हो सके। देश में कृषि उड़ान योजना के तहत सभी खराब होने वाली वस्तुओं को शामिल किया जाता है, जिसमें बागवानी, मत्स्य पालन, पशुधन और प्रसंस्कृत उत्पाद शामिल हैं।

कृषि उड़ान योजना एक समाभिरूप योजना है जिसमें नागर विमानन मंत्रालय, कृषि और किसान कल्याण विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्य पालन विभाग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, जनजातीय कार्य मंत्रालय, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय जैसे 08 मंत्रालय/विभाग, कृषि उपज के परिवहन के लिए लॉजिस्टिक को मजबूत करने हेतु अपनी मौजूदा योजनाओं के लाभ प्रदान करेंगे। हवाई परिवहन द्वारा कृषि उपज की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और रक्षा मंत्रालय द्वारा अपने चयनित कृषि उड़ान हवाईअड्डों पर भारतीय मालवाहकों और पी2सी (पैसेंजर-टू-कार्गो) विमानों के लिए लैंडिंग प्रभारों, पार्किंग प्रभारों में छूट प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, चयनित भाविप्रा हवाईअड्डों पर रूट नेविगेशन सुविधा प्रभार (आरएनएफसी) और टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग प्रभार (टीएनएलसी) माफ कर दिए गए हैं।

(घ) महाराष्ट्र में नासिक और पुणे हवाईअड्डों को कृषि उड़ान योजना में शामिल किया गया है।

(ङ) कृषि उड़ान योजना देश के 58 हवाईअड्डों को कवर करती है, जो अन्य क्षेत्रों/इलाकों के 33 हवाईअड्डों के अलावा मुख्य रूप से उत्तर पूर्वी, पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्र के 25 हवाईअड्डों पर केंद्रित है। हवाईअड्डों की सूची संलग्न है।

अनुलग्नक

कृषि उड़ान 2.0 योजना के अंतर्गत आने वाले हवाईअड्डों की राज्यवार सूची

(i) पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी हवाईअड्डे, जनजातीय हवाईअड्डे और द्वीप (25)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	हवाईअड्डा
अंडमान और निकोबार	1. पोर्ट ब्लेयर
अरुणाचल प्रदेश	2. तेजु
असम	3. डिब्रूगढ़
	4. जोरहाट
	5. लीलाबाड़ी
	6. रूपसी
	7. सिलचर
छत्तीसगढ	8. रायपुर
हिमाचल प्रदेश	9. भूंतर
	10. गग्गल
	11. शिमला
जम्मू और कश्मीर	12. जम्मू
	13. श्रीनगर
झारखंड	14. रांची
लद्दाख	15. लेह
लक्षद्वीप	16. अगाती
मणिपुर	17. इम्फाल
मेघालय	18. शिलांग
मिजोरम	19. लेंगपुई
नगालैंड	20. दीमापुर
सिक्किम	21. पाक्योंग
त्रिपुरा	22. अगरतला
उत्तराखंड	23. देहरादून
	24. पंतनगर
	25. पिथौरागढ़

(ii) अन्य हवाईअड्डे (33)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	हवाईअड्डा
आंध्र प्रदेश	1. विशाखापत्तनम
असम	2. तेजपुर
बिहार	3. पटना
	4. दरभंगा
चंडीगढ़	5. चंडीगढ़
गोवा	6. गोवा
गुजरात	7. भुज
	8. जामनगर
	9. राजकोट
कर्नाटक	10. बेलगावी
केरल	11. तिरुवनंतपुरम
मध्य प्रदेश	12. इंदौर
	13. भोपाल
	14. जबलपुर
महाराष्ट्र	15. नासिक
	16. पुणे
ओडिशा	17. झारसुगुडा
पंजाब	18. आदमपुर
	19. अमृतसर
	20. पठानकोट
राजस्थान	21. जैसलमेर
	22. जोधपुर
तमिलनाडु	23. कोयंबटूर
	24. तिरुचिरापल्ली
उत्तर प्रदेश	25. आगरा
	26. बरेली
	27. गोरखपुर
	28. हिंडन
	29. कानपुर
	30. प्रयागराज
	31. वाराणसी
पश्चिम बंगाल	32. बागडोगरा
	33. कोलकाता

*****